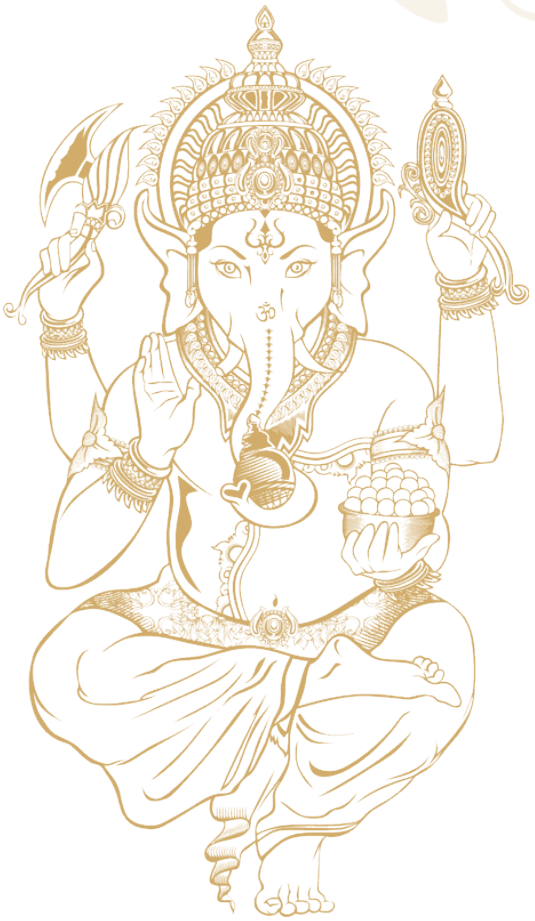

Amit ka Beta

11 Dec 2025

03:30 PM

Jaipur

Model: Baby-Horoscope **Order No: 121051501**

तिथि 11/12/2025 **समय** 15:30:00 **वार** गुरुवार **स्थान** Jaipur **चित्रपक्षीय अयनांश** : 24:13:15
अक्षांश 26:53:00 उत्तर **रेखांश** 75:50:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:26:40 घंटे

पंचांग

साम्पातिक काल	20:24:49 घं
वेलान्तर	00:06:44 घं
सूर्योदय	07:05:43 घं
सूर्यास्त	17:34:22 घं
चैत्रादि संवत	2082
शक संवत	1947
मास	पौष
पक्ष	कृष्ण
तिथि	8
नक्षत्र	पू०फाल्गुनी
योग	प्रीति
करण	बालव

अवकहड़ा चक्र

गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टी-टीकम
पाया(रा.-न.)	रजत-रजत
होरा	मंगल
चौघड़िया	काल

विंशोत्तरी

शुक्र 9वर्ष 9मा 13दि

शुक्र

11/12/2025
25/09/2035

	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	11/12/2025
गुरु	25/07/2028
शनि	25/09/2031
बुध	26/07/2034
केतु	25/09/2035

योगिनी

उल्का 2वर्ष 11मा 7दि

उल्का

11/12/2025
18/11/2028

	00/00/0000
	11/12/2025
संकटा	19/05/2026
मंगला	19/07/2026
पिंगला	18/11/2026
धान्या	20/05/2027
भ्रामरी	18/01/2028
भद्रिका	18/11/2028

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			23:25:05	मेष	भरणी	4	शुक्र	शनि	---	0:00			
सूर्य			25:23:19	वृश्चि	ज्येष्ठा	3	बुध	राहु	मित्र राशि	1.19	अमात्य	पितृ	मित्र
चंद्र			20:08:30	सिंह	पू०फाल्गुनी	3	शुक्र	गुरु	मित्र राशि	1.02	भातृ	मातृ	जन्म
मंगल		अ	02:50:47	धनु	मूल	1	केतु	शुक्र	मित्र राशि	1.40	ज्ञाति	भातृ	अतिमित्र
बुध			05:08:11	वृश्चि	अनुराधा	1	शनि	शनि	सम राशि	0.98	पुत्र	ज्ञाति	वध
गुरु	व		29:29:52	मिथु	पुनर्वसु	3	गुरु	चंद्र	शत्रु राशि	1.35	आत्मा	धन	साधक
शुक्र			19:04:44	वृश्चि	ज्येष्ठा	1	बुध	केतु	सम राशि	0.79	मातृ	कलत्र	मित्र
शनि			01:05:41	मीन	पू०भाद्रपद	4	गुरु	मंगल	सम राशि	1.00	कलत्र	आयु	साधक
राहु			18:51:09	कुंभ	शतभिषा	4	राहु	चंद्र	मित्र राशि		---	ज्ञान	प्रत्यारि
केतु			18:51:09	सिंह	पू०फाल्गुनी	2	शुक्र	राहु	शत्रु राशि		---	मोक्ष	जन्म

लग्न-चलित

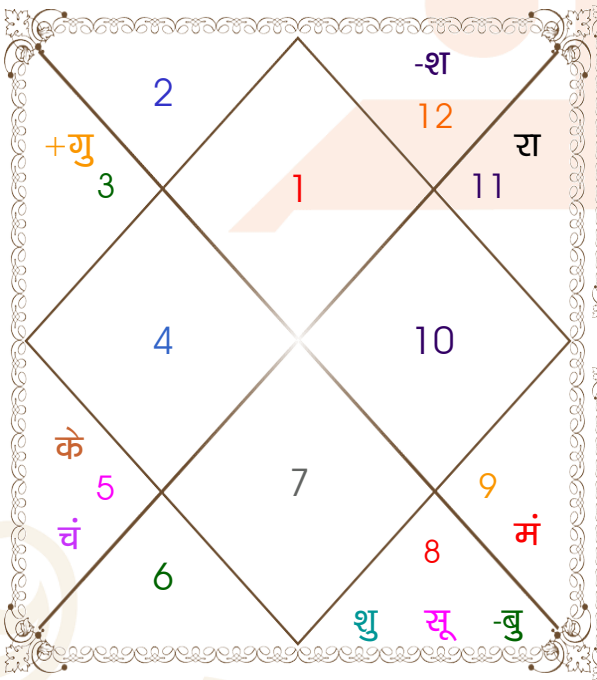

चन्द्र कुंडली

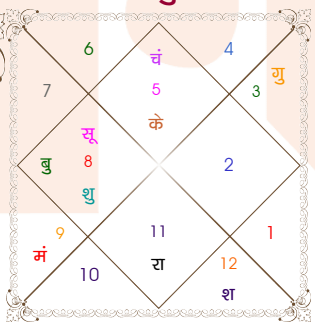

नवमांश कुंडली

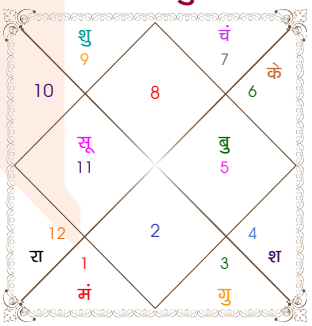

सर्वाष्टकवर्ग

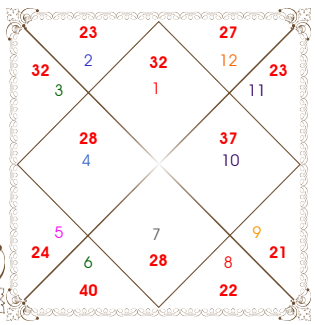

दशमांश कुंडली

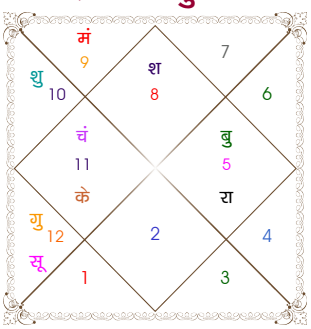

PT. Shrimhadev Pankanchanopas
63/37 Mellizo Park Bangkaew Bangphli Samut Prakan 10540
+66-615166917
Shrimhadev@hotmail.com

नक्षत्रफल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ हैं। अतः आपकी राशि सिंह तथा राशि स्वामी सूर्य होगा। नक्षत्रानुसार आपका गण मनुष्य, योनि मूषक, वर्ग श्वान, नाड़ी मध्य तथा वर्ण क्षत्रिय होगा। नक्षत्र के चरणानुसार आपके जन्म नाम का प्रारम्भ "टि" या "टी" अक्षर से होगा यथा- टीटू आदि।

आप अपने जीवन में विद्याधन से युक्त रहेंगे। ज्ञान प्राप्त करने में आपकी पूर्ण रूचि रहेगी। आपका स्वभाव गम्भीरता लिए होगा तथा अन्य समस्त सांसारिक कार्य भी गम्भीरता पूर्वक ही आप सम्पन्न करेंगे। आप का स्त्रीवर्ग में पूर्ण आकर्षण रहेगा तथा उनके आप प्रिय रहेंगे। जीवन में आप समस्त भौतिक तथा सांसारिक सुखों का पूर्ण रूप से उपभोग करेंगे तथा श्रेष्ठ विद्वानों के द्वारा भी आपको सम्मान तथा आदर प्राप्त होगा।

विद्या गोधन संयुक्तो गम्भीरः प्रमदाप्रियः।
पूर्वाफाल्गुनिकां जातः सुखी पंडित पूजितः।।
मानसागरी

अर्थात् पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र में उत्पन्न जातक विद्या, गौ एवं धन से सम्पन्न, गम्भीर प्रकृति वाला, स्त्रियों का प्रिय, सुखी तथा विद्वानों द्वारा पूजनीय होता है।

आपकी वाणी अत्यन्त ही मधुर तथा प्रिय होगी जो अन्य जनों को प्रसन्नता प्रदान करेगी। साथ ही आप एक व्यवहार कुशल व्यक्ति भी होंगे तथा अपने कुशल व्यवहार से सफलताओं को प्राप्त करेंगे। दानशीलता का भाव भी आपके मन में विद्यमान रहेगा तथा समय अनुसार यथाशक्ति आप अपनी इस प्रवृति का पालन करेंगे। आपके शरीर की कान्ति भी दर्शनीय होगी। यात्रा तथा भ्रमण करने की ओर आप विशेष रूचिशील रहेंगे तथा अपना अधिकांश समय भ्रमण तथा यात्राओं में व्यतीत करेंगे। साथ ही राजकीय सेवा का भी अवसर आपको प्राप्त होगा।

प्रियवाग्दाता द्युतिमानटनो नृपसेवको भाग्ये।
बृहज्जातकम्

अर्थात पूर्वाफाल्गुनी में उत्पन्न जातक प्रिय वक्ता, व्यवहारज्ञ, दानप्रिय, कान्तियुक्त शरीर वाला, यात्रा प्रिय तथा राज्य में राजसेवक होता है।

चंचलता की आप में बहुलता रहेगी साथ ही अन्य कठोर कर्मों में भी आप तत्पर रहेंगे। जिससे अन्य जनों के लिए कष्ट के कारण भी बनेंगे। त्याग की भावना भी आपके अर्न्तमन में निहित रहेगी तथा समय समय पर इसका आप प्रदर्शन करते रहेंगे। आप दृढ़ प्रतिज्ञ होंगे तथा जिस संकल्प को एक बार अपने मन में कर लेंगे उसे पूर्ण करके ही छोड़ेंगे चाहे उसमें कितना ही परिश्रम क्यों न करना पड़े।

फल्गुन्यां चपलः कुकर्मस्त्यागी दृढ़ कामुको।
जातकपरिजातः

अर्थात् पूर्वा फाल्गुनी में उत्पन्न जातक चंचल, कुकर्म करने वाला, त्यागी, दृढ़ तथा कामवासना प्रधान व्यक्ति होता है।

आप स्वभाविक रूप से शूरता तथा वीरता के गुणों से सम्पन्न रहेंगे। साहस का भी आप में अभाव नहीं रहेगा तथा साहस पूर्वक विषम से विषम परिस्थितियों का मुकाबला करने की शक्ति आप में विद्यमान रहेगी। आप बहुत से लोगों को आश्रय देने वाले होंगे तथा उनके पालन पोषण में भी सदैव तत्पर रहेंगे। आप छोटी छोटी आखों से युक्त होकर अत्यन्त ही चतुर होंगे तथा चतुराई से अपने समस्त कार्यों को बनाने में सफल रहेंगे। साथ ही अभिमान के भाव का भी आप समाज में प्रदर्शन करते रहेंगे।

शूरस्त्यागी साहसी भूरिभर्ता कामार्तोऽपिस्याच्छिरालोऽतिदक्षः।
धूर्तः क्रूरोऽत्यन्त सञ्जातगर्वः पूर्वाफाल्गुनयास्ति चेज्जन्मकाले।।
जातकाभरणम्

अर्थात् पूर्वाफाल्गुनी में उत्पन्न जातक शूरवीर, दानी, बहुतों का पोषक, चतुर, धूर्त, कामातुर, कठोर हृदय और अतिघमण्डी होता है।

रजत पाद में उत्पन्न होने के कारण आपका शारीरिक सौन्दर्य दर्शनीय रहेगा तथा इसमें लावण्यता भी विद्यमान रहेगी। साथ ही मुखाकृति भी अत्यन्त आकर्षक रहेगी। इन्द्रियों को वश में करने में आप पूर्ण रूपेण सफल रहेंगे तथा प्रायः सत्य ही बोलेंगे। आप अत्यन्त ही मधुर गति से गमन करने वाले होंगे। जीवन में धन तथा पुत्र से आप युक्त रहेंगे एवं इनका पूर्ण सुख आपको प्राप्त होगा। लेकिन स्त्री के आप हमेशा वश में रहेंगे तथा उसी के कथनानुसार अपने अधिकांश प्रमुख कार्यों को सम्पन्न करेंगे। स्वभाव से आप विनम्र एवं सुशील रहेंगे तथा धनैश्वर्य को भी आप नित्य अर्जित करेंगे एवं प्रसन्नता पूर्वक इनका उपभोग भी करेंगे। साथ ही विविध प्रकार के ऐश्वर्य एवं वैभव से भी आप युक्त रहेंगे। आप एक बुद्धिमान व्यक्ति भी होंगे तथा सद्गुणों से सम्पन्न अधिक मित्रों से हमेशा युक्त रहेंगे। धनसंचय में भी आपकी प्रवृति रहेगी।

सिंह राशि में जन्म लेने के कारण आपका स्वभाव उग्र तथा तेज होगा। आपकी आखें पीतवर्ण से युक्त होकर देखने में छोटी होंगी परन्तु ठोड़ी स्थूल एवं मुखाकृति विशाल होगी। वनों तथा पर्वतों में भ्रमण करना आपको अत्यन्त प्रिय लगेगा आप कभी कभी अकारण ही शीघ्र ही क्रोधित होने वाली प्रकृति से भी युक्त रहेंगे। आप अपने जीवन में प्रायः मानसिक चिन्ताओं से चिन्तित रहेंगे। आप दानी प्रवृति के व्यक्ति होंगे तथा यथा शक्ति समयानुसार जरूरत मन्द लोगों को दान देने में प्रसन्नता का अनुभव करेंगे। कभी कभी आप के मन में अभिमान की भावना भी प्रबलता हो जाएगी। परन्तु माता के आप हमेशा हृदय वत्सल रहेंगे। आपकी सन्तानों में पुत्रों की संख्या भी थोड़ी ही रहेगी। आप स्थिर बुद्धि के स्वामी होंगे अतः अपने समस्त कार्यों को धैर्यपूर्वक सम्पन्न करेंगे।

तीक्ष्णः स्थूलहनुविशालवदनः पिङ्गेक्षणोळल्पात्मजः।
स्त्रीद्वेषी प्रियमासकाननगः कुप्यत्यकार्ये चिरम्।।
क्षुतृष्णोदरदन्तमानसरुजा सम्पीडितस्त्यागवान।
विक्रान्तः स्थिरधीः सुगर्वितमनामातुर्विधेयो योळर्कभे।।
बृहज्जातकम्

आपके शरीर की हडिड्यां अत्यन्त ही पुष्ट रहेंगी। किसी कार्य को प्रारम्भ करने से पूर्व आप अपने गले से ध्वनि निकालेंगे। आप का वक्षभाग भी आकर्षित होगा। पराक्रम के भाव की आप में बहुलता रहेगी। आप हमेशा खतरों से सावधान रहेंगे तथा सावधानी पूर्वक अपने चारों तरफ का निरीक्षण करने वाले होंगे तथा सन्तुष्ट होने पर ही कोई कार्य प्रारम्भ करेंगे।

स्थूलास्थिर्मन्दरोमा पृथुवदनगलो ह्रस्वपिङ्गाक्षियुग्मः।
स्त्रीद्वेषी क्षुत्पिपासा जठररुदरजपीडितो मांसभक्षः।।
दातातीक्ष्णोळल्पपुत्रो विपिननगरतिमातृवश्य सुवक्षा।
विक्रान्तः कार्यालापी शशभृतिरविभे सर्वगम्भीर दृष्टिः।।
सारावली

आपकी मुखाकृति विस्तृत होगी तथा हनुभाग स्थूल रहेगा। वन तथा पर्वतों पर जाने के आप के मन में हमेशा तीव्र इच्छा जागृत रहेगी। साथ ही माता के आप परम प्रिय रहेंगे।

पिङ्गेक्षणः स्थूलहनुर्विशालवक्त्रोळभिमानी सपराक्रमः।
कुप्यत्कार्ये वनशैलगामी मातुर्विधेयः स्थिरधीः मृगेन्द्रेण।।
फलदीपिका

आप पेट भरने योग्य धनार्जन से ही सन्तुष्ट रहने वाली प्रकृति के पुरुष होंगे। साथ गुफाओं में जाने के लिए आप हमेशा उत्सुक रहेंगे। आप बन्धु तथा सेवकों से भी युक्त रहेंगे।

उदरभरणतुष्टः कोधनो मांसलुब्धो।
गहनगुरुगुहानां सेवको बंधुहीनः।।
कपिलनयन भग्नस्तुङ्गवक्षाः क्षुधार्तो।
विपुल सुरतसेवी सिंह राशि भे मनुष्यः।।
जातकदीपिका

आप किसी को भी दण्ड देने की अपेक्षा क्षमाकरना श्रेयस्कर समझेंगे। अपने कार्यो को सम्पन्न करने में आप हमेशा तत्पर रहेंगे तथा मांस के साथ साथ मदिरा का भी उन्मुक्त भाव से प्रयोग करेंगे। साथ ही आप देश विदेशों के भ्रमण में अपने अधिकांश समय को व्यतीत करेंगे तथा ठण्ड से आप भयभीत रहेंगे। आपके सभी मित्र अच्छे तथा सद्गुणों से युक्त रहेंगे। समाज में अन्य जनों के प्रति आपका व्यवहार विनयशील रहेगा। अतः सभी लोग आपकी प्रशंसा करेंगे। माता तथा पिता के आप हमेशा प्रिय रहेंगे तथा इनसे आपको पूर्ण स्नेह का भाव मिलता रहेगा। आप कुछ व्यसनों के भी प्रेमी रहेंगे परन्तु समाज में आपका यश पूर्ण रूप से व्याप्त रहेगा।

अचल काननयानमनोरथं गृहकलित्रच गलोदरपीडनम्।
द्विजपतिमृर्गराजगतो नृणांवितनुते तनुतेजविहीनताम्।।
जातकाभरणम्

आपकी आँखें तथा शारीरिक बनावट चित्ताकर्षक रहेगी। साथ ही गम्भीर दृष्टि से भी आप सुशोभित रहेंगे एवं जीवन में सर्वप्रकार के सुखोपभोग करके प्रसन्नता से अपना समय व्यतीत करेंगे।

सिंहस्थे पृथुलोचनः सुबदनो गम्भीरदृष्टिः सुखी।।
जातक परिजातः

आप मनुष्य गण में उत्पन्न हुए हैं अतः आप धार्मिकता की भावना से परिपूर्ण रहेंगे। विप्र तथा देवताओं में आपकी पूर्ण आस्था रहेगी तथा श्रद्धापूर्वक इनकी सेवा तथा अर्चना करते रहेंगे। यदा कदा आप छोटी छोटी बातों पर अभिमान का भी प्रदर्शन करेंगे। दया के भाव से आप युक्त रहेंगे तथा यत्नपूर्वक दीन दुःखियों की सहायता करने में सदा तत्पर रहेंगे। आप कई कार्यों तथा कलाओं में भी दक्ष रहेंगे तथा समयानुसार इनका प्रदर्शन करते रहेंगे। ज्ञान की आपको परिश्रम पूर्वक प्राप्त होगी तथा समाज में आप विद्वान भी कहलाएंगे। आपके शरीर की कान्ति सबको आपकी तरफ आकर्षित करेगी। साथ ही बहुत से लोगों का आपके द्वारा पालन पोषण किया जाएगा।

आप अपने समाज के धनवान तथा सम्माननीय व्यक्ति होंगे। धनाभाव आपके पास नहीं रहेगा तथा समाज से पूर्णमान सम्मान प्राप्त होगा। आपकी आखें बड़ी होंगी। निशाने बाजी में आप दक्ष होंगे तथा आपका गौरवर्ण होगा। साथ ही समस्त नगरवासियों को अपने वश में रखने में भी आप सफल रहेंगे।

देवद्विजार्चाभिरतोभिमानी दयालुर्बलवान कलाज्ञः।
प्राज्ञः सुकान्ति सुखदो बहूनां मर्त्याभवे मर्त्यगणे प्रसूतः।।
जातकाभरणम्

अर्थात् मनुष्य गण में उत्पन्न जातक ब्राह्मण तथा देवताओं का भक्त, अभिमानी, दयालु, बलवान, कला का ज्ञाता, विद्वान, कान्तियुक्त तथा बहुत से मनुष्यों को सुख तथा आश्रय प्रदान करने वाला होता है।

मूषक योनि में जन्म लेने के कारण आप तीव्रबुद्धि के स्वामी होंगे। आप हमेशा सम्पूर्ण प्रकार से धन धान्य एवं ऐश्वर्य युक्त रहेंगे। धनाभाव आपके पास कभी नहीं रहेगा। साथ ही आप अपने कार्यों को सफल बनाने में हमेशा तत्पर रहेंगे तथा आलस्य करना आपको अच्छा नहीं लगेगा। आप विनम्र भी रहेंगे फलतः समाज से पूर्ण मान सम्मान प्राप्त करने में सफलता प्राप्त करेंगे। परन्तु आप किसी भी अन्य पर विश्वास न करने वाली प्रकृति के होंगे। यदि आप किसी से कोई कार्य करवाना चाहेंगे तो उसे अपने ही समक्ष करवाना उचित समझेंगे।

बुद्धिमान् वित्तसम्पूर्णः स्वकार्यकरणोद्यतः।

अप्रमतोळप्यविश्वासी नरो मूषक योनिजः।।
मानसागरी

अर्थात मूषक योनि का जातक बुद्धिमान, धनवान, स्वकार्य में तत्पर, गर्वहीन तथा किसी पर भी विश्वास न करने वाला होता है।

आपके जन्म काल में चन्द्रमा की स्थिति पंचम भाव में हैं। अतः आपकी माता का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा एवं आयु भी दीर्घ होगी। आपके शुभ प्रभाव से वे धन सम्पत्ति आदि को भी प्राप्त करेंगी तथा इससे प्रायः युक्त ही रहेंगी। साथ ही जीवन में आपको हमेशा कला, नीति, विद्या आदि के लिए प्रोत्साहित करेंगी एवं यत्नपूर्वक इसमें अपना सहयोग भी प्रदान करेंगी। आप की संतति से भी उनका प्रेम रहेगा एवं जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आपको सहयोग प्रदान करेंगी।

आप भी उनके प्रिय रहेंगे तथा उनकी आज्ञापालन करने के लिए तत्पर रहेंगे। साथ ही आपके आपसी संबंध भी मधुरता से युक्त रहेंगे एवं आपसी भेदभाव भी अल्प मात्रा में होंगे। जीवन में आप यत्नपूर्वक उनकी सेवा तथा अन्य वांछित सहयोग एवं सहायता प्रदान करने के लिए भी सर्वदा उद्यत रहेंगे इस प्रकार आप आपस में प्रसन्नतापूर्वक रहेंगे।

आपके जन्म समय में सूर्य की स्थिति अष्टम भाव में है अतः आपके पिता का स्वास्थ्य मध्यम रहेगा एवं यदा कदा शारीरिक रूप से वे कष्टानुभूति करेंगे। आपके प्रति उनके मन में पूर्ण स्नेह भाव रहेगा तथा जीवन में वे धन धान्य से परिपूर्ण रहेंगे एवं आपको समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे यदा कदा आप उनसे विशेष धन या सम्पत्ति भी अर्जित कर सकेंगे। साथ ही यात्रा एवं व्यापार संबंधी कार्यों में भी आपको सहयोग एवं निर्देश प्रदान करेंगे।

आपके मन में भी उनके प्रति पूर्ण सम्मान का भाव रहेगा एवं समय समय पर उनकी आज्ञा का आप पालन करते रहेंगे। आपके परस्पर संबंध मधुर रहेंगे परन्तु यदा कदा आपसी मतभेदों से इसमें कटुता या तनाव का वातावरण भी होगा परन्तु यह अल्प समय के लिए होगा। इसके साथ ही जीवन में आप सर्वप्रकार से पिता को सहयोग देंगे एवं अपनी ओर से उन्हें किसी भी प्रकार से कष्ट नहीं होने देंगे।

आपके जन्म समय में मंगल नवम भाव में स्थित है अतः आपके भाई बहिनों का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा लेकिन यदा कदा शारीरिक रूप से व्याकुलता की अनुभूति भी करेंगे। आपके प्रति उनका अपनत्व रहेगा एवं जीवन के सुख दुःख में आपका नित्य सहयोग करते रहेंगे। इसके साथ ही आपकी भाग्योन्नति में भी वे वांछित आर्थिक तथा अन्य प्रकार की सहायता अवश्य प्रदान करेंगे। धन सम्पत्ति का उनके पास अभाव नहीं रहेगा तथा इससे वे युक्त रहेंगे।

आप भी उनको हृदय से स्नेह एवं सम्मान प्रदान करेंगे एवं सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में उनको अपना सहयोग प्रदान करते रहेंगे। आपके आपसी संबंधों में मधुरता रहेगी

परन्तु यदा कदा आपसी सैद्धान्तिक मतभेदों के कारण उनमें कटुता भी आएगी लेकिन यह अस्थाई रहेगी। इसके साथ ही उनकी भाग्योन्नति में भी आप समयानुसार आर्थिक या अन्य प्रकार से अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे एवं सुख दुःख में उनका पूर्ण साथ देंगे।

आपके लिए ज्येष्ठ मास, तृतीया, अष्टमी तथा त्रयोदशी तिथियां, मूल नक्षत्र, धृति योग, बवकरण, शनिवार, प्रथम प्रहर तथा मकर राशिस्थ चन्द्रमा अशुभ एवं अनिष्ट फल देने वाले हैं। अतः आप 15 मई से 14 जून के मध्य 3,8,13 तिथियों, मूल नक्षत्र धृतियोग तथा बवकरण में कोई भी शुभ कार्य व्यापार प्रारम्भ, नवगृहनिर्माण, क्रयविक्रयादि शुभकार्यों को सम्पन्न न करें अन्यथा लाभ की अपेक्षा हानि ही होगी। साथ ही शनिवार, प्रथम प्रहर तथा मकर राशि के चन्द्रमा को भी शुभ कार्यों में त्याज्य रखें। इन दिनों तथा समय में शारीरिक सुरक्षा तथा स्वास्थ्य का भी पूर्ण ध्यान रखना चाहिए।

यदि आपके लिए अशुभ समय चल रहा हो मानसिक तथा शारीरिक व्याकुलता, व्यापार में हानि, नौकरी प्राप्ति में विलम्ब या पदोन्नति में बाधाएं उत्पन्न हो रही हों तो ऐसे समय में आपको अपने इष्ट देव सूर्य भगवान को प्रातः काल अर्ध्य समर्पण करना चाहिए तथा रविवार के उपवास भी रखने चाहिए। साथ ही सोना, माणिक्य, रक्त वस्त्र, गेहूँ, गुड़, रक्त पुष्प इत्यादि पदार्थो का भी दान करना चाहिए। इसके अतिरिक्त सूर्य के तांत्रीय मंत्र के कम से कम 7000 जप सम्पन्न करवाने चाहिए। इससे आपको मानसिक शान्ति प्राप्त होगी तथा अशुभ फल कम होकर शुभ फलों में वृद्धि होगी।

ऊँ ह्रां ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः।
मंत्र- ऊँ ऐं ह्रीं ह्रीं सूर्याय नमः।

PT. Shrimhadev Pankanchanopas
63/37 Mellizo Park Bangkaew Bangphli Samut Prakan 10540
+66-615166917
Shrimhadev@hotmail.com